ओसवाल प्रकाश

ओसवाल मित्र मण्डल का मासिक मुखपत्र

R. N. I. Registration No. MAHHIN/2000/4037 | वर्ष - १६ अंक - ७ | मुंबई - जुलै २०१७ | मूल्य-१ रुपया

जैन तत्वज्ञान एवं पर्यावरण

विश्व पर्यावरण दिवस की आप सभी को बधाई। पर्यावरण हमारे जीवन का महत्वपूर्ण तत्व है। ईश्वर ने इस सृष्टि की रचना की और मुक्त हाथों से हमें प्राकृतिक संपदाओं का खजाना प्रदान किया। लेकिन मनुष्य ने अपनी लालसा और लालच में आकर इन अमूल्य संपदाओं के साथ खिलवाड़ किया। यही वजह हैं कि हमें प्राकृतिक आपदाओं से निरंतर लड़ना पड़ रहा है। अतिवर्षा, सूखा, भुकंप, भूस्लखन, बर्फ का पिघलना, अति गर्मी-सर्दी, सुनामी आदि का सामना करना पड़ रहा है और हजारों लोगों को एक साथ जान-माल से हाथ धोना पड़ रहा है।

अगर हम आने वाली पीढियों को एक सुरक्षित संसार देना चाहते है तो जरुरी है पर्यावरण की रक्षा, संरक्षण, संवर्धन। जैन पध्दति से अगर जीवन को जिया जाये तो यह कोई मुश्किल कार्य नहीं।

भगवान महावीर इस युग के एक महान वैज्ञानिक है। उनका हर उपदेश विज्ञान की भाषा है। हर सूत्र मात्र आत्मशुध्दि का सोपान ही नही है बल्कि शारीरिक स्वस्थता, पारिवारिक आनंद, निरोगी काया, शुध्द विचार, प्रकृति से प्रेम, सामाजिक जीवन यापन इत्यादि अनेकों लाभ हम उनसे प्राप्त कर सकते है।

अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह तथा ब्रम्हचर्य जैन धर्म के इन पाँच मूल सूत्रों में प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के संदेश विहित है। अहिंसा प्राणी मात्र के प्रति प्रेम का प्रतीक है और पेड़ो मे भी प्राण है। इसलिये इन्हें काटिये मत, इनकी सुरक्षा करे। पेड़ों में देवताओं का वास होता है, यह हमें शुध्द हवा, फल-फूल-छाया तो देते ही है साथ ही इनकी लकडिया भी मनुष्य का जीवन-यापन करती है।

जैन धर्म में आकाश, वायु, पृथ्वी और जल सहित वनस्पति को सजीव मानते हुए इन्हें हमारे वास्तविक जीवन संरक्षक के रुप में माना गया है।

जिन शास्त्रों में जल को दूषित नहीं करने तथा उसका उपयोग जरुरत के हिसाब से कम से कम करने की व्याख्या है। (फव्वारे की जगह बाल्टी मग का प्रयोग करे, नल को खुला न छोड़े, पानी में भी जीव है उनकी रक्षा करे)।

अनावश्यक लाईट का उपयोग न करे अग्नि के जीवों की सुरक्षा करे।

जैन धर्म में चातुर्मास की परंपरा भी पर्यावरण संरक्षण का ही स्वरुप है। चातुर्मास के दौरान हमारे साधु-संत विहार नहीं करते ताकि हरितिमा, पौधों एवं सूक्ष्म जीवों का संरक्षण हो सके।

हजारों वर्षों से हमारे तीर्थंकरों ने हमें जीवन जीने की ऐसी पध्दति बतलाई है। उससे हम अधिक से अधिक प्रकृति के करीब रहकर, स्वस्थ व प्रसन्न जीवन जी सकें। हमारे सभी तीर्थंकरों ने 'केवल ज्ञान' की प्राप्ति किसी न किसी वृक्ष के नीचे रहकर प्राप्त की है। पीपल, वट, अशोक वृक्ष हमारे धार्मिक जीवन के महत्वपूर्ण अंग है। हिंदू संस्कृति में भी ऋषी-मुनि जंगलों में रहकर प्रकृति की सुरक्षा के साथ ज्ञान की प्राप्ति करते थे।

अगर हम एक हरी-भरी वसुंधरा के संग सुखी जीवन जीना चाहते है तो हमें जैन धर्म के सिध्दांतों का पालन करना होगा और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कमसे कम पांच पेड़ो को लगाने का संकल्प लेना होगा।

मंजु लोढ़ा

पर्यावरण की रक्षा

रोजमर्रा की कुछ चीज़े, जिन्हे हम बहुत आसानी से इस्तेमाल कर फेंक देते है, उनका विघटन समय हमे आश्चर्य चकित कर देता है।

केले का छिलका - ३-४ हफ्ते
पेपर बॅग - १ महीना
समाचार पत्र - १ १/२ महीना
प्लाईवुड - १-३ साल
सिगरेट के टुकडे - १०-१२ साल
लेदर शूज - २५-४० साल
प्लास्टीक कन्टेनर - ५०-८० साल
प्लास्टीक बॉटल - ४५० साल

जरुरत है जागरुकता की।

पर्यावरण बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी ही नही, जरुरत भी है।

अणुव्रत आचार संहिता

- मै किसी भी निरपराध प्राणी का संकल्पपूर्वक वध नही करुंगा।
- मै मानवीय एकता मे विश्वास करुंगा।
- मै पर्यावरण की समस्या के प्रति जागरुक रहूंगा।
- हरे भरे वृक्ष नही काटूंगा।
- पानी का अपव्यय नही करुंगा।

युवा नेतृत्व

श्री राजेशजी मुनोत

अहिंसा इन्स्टिट्यूट के संस्थापक श्री राजेशजी मुनोत हैं जो एक युवा हैं और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ नाम हैं। आज अहिंसा संस्थानों में अहिंसा पॉलिटेक्निक, अहिंसा इंटरनॅशनल स्कूल, अहिंसा प्राइवेट आई टी आई, अहिंसा इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मसी शामिल हैं। राजेश जी मुनोत के निरंतर प्रयास और निरन्तर कुछ नया करने की चाहत ने आज पूरे महाराष्ट्र में अहिंसा संस्थानों ने अपना विशेष स्थान निर्माण किया है।

गुरु श्री. व्ही. के. पाटिल सर (प्राचार्य, स्मिता पाटिल पब्लिक स्कूल, शिरपुर), पितामह तुल्य डॉ. रविंद्रनाथ टोनगांवकर और श्री. अमरीश भाई पटेल (पूर्व शिक्षा मंत्री, महाराष्ट्र राज्य) एवम नानाजी श्री. भेरुलाल जी. कुचेरिया आपके प्रेरणा स्त्रोत रहे है।

एक गैर राजनैतिक और उसमे भी एक युवा का बिना किसी पूर्व अनुभव के शैक्षणिक संस्थान शुरू करना सबसे बड़ी चुनौती थी। मगर कठिनाइयों से हार ना मानकर आपने यह विशाल सपना पुरा किया जो आज दोंडाईचा के आस पास के गाँव के युवा और बच्चों के लिये नया क्षितिज लेके आया है। आपके भविष्य के लिए नए अवसर प्रदान कर रहा है।

अहिंसा संस्थानों में करीब २००० बच्चे जो आस पास के गाँव से आते हैं और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा ले रहे है।

इनॉवेशन, कम्युनिकेशन एवम प्रामाणिक कोशिश ये आपके कराये ३ मंत्र रहे है। आप केवल शिक्षा के क्षेत्र ही नहीं तो अनेकविध सामाजिक कार्यो मे हमेशा जुड़े रहते है।

जयपूर फुट प्रोजेक्ट, नेत्र चिकित्सा आदि विविध सामाजिक एवम आरोग्य से जुड़े हुए अनेकविध सेवाकार्यों मे आपका योगदान रहा है।

Offbeat Youngsters

Archana Bora

Youngest daughter of Rajendra & Usha, had inclination for offbeat ideas since childhood.

Archana R. Bora is a certified Handwriting Analyst from Handwriting University International, Los Angeles. This skill helps a person understand 'Who am I'. It also helps in exploring ones potential and overcome inhibitions.

She has worked with Corporates & MNC like Hindustan Unilever, M Suresh, Elcom, Zamels (Australian company) for recruitment, employee potential development and employee engagement.

In Dubai she had International exposure for her work and she had the opportunity to do Handwriting analysis of International delegates of varied nationalities Americans, French, Germans, People of Czech Republic, Russians, Arabic countries, Pakistanis, Australians, Philippines among others. Her work was well appreciated at Dubai by various news channels, magazines and newspapers.

She has completed more than 3000 Handwriting analysis during the span of 5 years.

She is also associated with Kabir Bhajans, story telling groups and theatre groups for children.

Smriti Dugar Shah

Although a commerce graduate, her love for languages prompted her to pursue French. Her passion for learning and teaching French culminated into a career of a French teacher. She started teaching French at the young age of 16.

She has taught French to over 4000 students till now. In spite of being offered lucrative jobs from various institutes, she prefers teaching in her own class, giving personal attention to every student. Her students range from Std. 1 to graduation and also people who learn spoken n written french non academically. She is a highly reputed teacher who has been churning board toppers year after year.

Bliss is
when your passion
becomes your vocation.

ओसवाल शहनाई

ओसवाल मित्र मंडल मैट्रीमोनियल बायोडाटा बैंक

वधू चाहिए

CODE	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PLACE	VAR / VADHU	SHAKHA			
MPG - 1011	03.09.1992	5'8"	एम.बी.ए.,	राजनंदगांव	वधू चाहिए	गोलेछा	बाफना	बैद	चोरडिया
MPG - 1010	23.05.1989	5'8"	बी. कॉम.,बी.सी.ए.,एम.बी.ए.	मुंबई	वधू चाहिए	भंडारी	सुराना		
MPG - 947	02.02.1986	5'2"	एम.बी.ए.,बी.ई.,	मुंबई	वधू चाहिए	तातेड	भंडारी		
MPG - 940	28.09.1988	6'0"	बी.कॉम., सेप सर्टिफाईकंसलटंट	बडोदा	वधू चाहिए	पारख	कोठारी	कोचर	सकलेचा
ME - 1000	03.01.1989	5'8"	बी.ई.	मुंबई	वधू चाहिए	गंधार-चोपडा	मेहता	छाजेड	डागा
ME - 999	29.09.1989	5'8"	एम.बी.ए., बी.टेक	मुंबई	वधू चाहिए	सिंधी	भंडारी		
ME - 998	12.06.1991	5'9"	बी.टेक.	मुंबई	वधू चाहिए	गादिया	परमार		
ME - 966	31.05.1990	5'11"	एम.बी.ए., बी.टेक.	मुंबई	वधू चाहिए	खोकावत	लोढा	बोकाडिया	डागलिया
MCA - 322	28.10.1990	5'11"	बी.कॉम.,ए.सी.ए.,सी.एफ.ए.	मुंबई	वधू चाहिए	मूनोत	गन्ना		
MCA - 321	22.01.1987	5'6"	सी.ए.	कोलकता	वधू चाहिए	धूपिया	नखट	कोठारी	नाहर
विधवा, विधुर, तलाकशुदा उम्मीद्वार के लिएतलाक शुदा उम्मीदवार के लिए वधू चाहिए ।									
MSP - 285	07.07.1957	5'5"	बी.कॉम. डी.बी.एम.	पुना	वधू चाहिए	बोरा	कर्नावट		

वर चाहिए

CODE	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PLACE	VAR / VADHU	SHAKHA			
FPG - 1590	28.04.1989	5'6"	बी. कॉम.,एम.बी.ए.	मुंबई	वर चाहिए	देरासरिया	ननगावत	डक	पितालीया
FPG - 1589	13.11.1993	5'0"	एम.कॉम.	बडोदरा	वर चाहिए	बैद	कोठारी	लूनावत	सकलेचा
FE - 554	11.06.1993	5'6"	बी.टेक.	नागपुर	वर चाहिए	नाहर	चौधरी	सुराना	बेताला
FE - 553	20.08.1991	5'0"	बी.ई., एम.बी.ए.	मुंबई	वर चाहिए	भंडारी	बढेर		
FCA - 297	26.12.1991	5'2"	सी.ए., बी. कॉम.	मुंबई	वर चाहिए	बैद मेहता	पोखरना	हिंगड	ओस्तवाल
FCA - 287	27.07.1987	5'2"	बी. कॉम., सी.ए.	कल्लम (महा)	वर चाहिए	पारख	संचेती	बलाई	गोठी
FD - 444	13.04.1991	5'6"	एम.बी.बी.एस, एम.एस.	मुंबई	वर चाहिए	डागा	कुम्भट		
FD - 365	18.08.1984	5'6"	एम.बी.बी.एस, एम.एस.	दहानुरोड	वर चाहिए	बोथरा	खिंवसरा		
FG - 1687	17.06.1990	5'5"	बी.कॉम.	मुंबई	वर चाहिए	भंसाली	डफरिया		
FG - 1684	15.08.1991	5'7"	बी.कॉम.	बेंगलोर	वर चाहिए	बाफना	कोठारी	कातोड	बैदमुथा
तलाकशुदा उम्मीद्वार के लिएतलाक शुदा उम्मीदवार के लिए वधू चाहिए ।									
FSP - 219	13.12.1988	5'0"	बी.ए.	मुंबई	वर चाहिए	राखेचा	डागा	मालू	धूपिया

ओसवाल Mitra Mandal
Matrimonial Bio-Data Bank

Office No. 47, 1st Floor, Ratnajyot Industrial Estate, Irla Gauthan, Irla Lane, Vile Parle (West), Mumbai - 400 056.
Tel.: (022) 6571 2566, 2628 7187 • Email : oswalmatrimony@gmail.com

Closed on Wednesday and Bank Holidays

Visiting Hours
10.30 am to 4.00 pm
all Days including Sunday

ओसवाल प्रकाश
वर्ष - १६ अंक - ७ मुंबई - जूलै २०१७

शुभाशिष

Dear Ajit,

I just wanted to congratulate you for Oswal Prakash monthly, which has improved a lot. Both contents & look! Hearty compliments, also to all those, who are responsible for upgrading it!.

The article on **'Jeevan'** on the front page issue of June 2017 Oswal Prakash, by **Manju Lodha**, was really very motivating & inspiring - actually every word of it! You may please convey our sincere compliments to her.

Nirbhay Jain

धर्म विज्ञान का विरोधी नहीं हैं, अपितु वह परमविज्ञान है। विज्ञान ने मनुष्य को जिन सुख-सुविधाओं का आश्वासन दिया था, वे आज उसके लिए एक दु:खद चुनौती बन गयी हैं। इस दृष्टि से यदि हम जैन-धर्म का अध्ययन करें तो पता चलेगा कि उसके सारे विधि-निषेध अन्ततः एक व्यापक सन्तुलन को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले है।

विज्ञान के संदर्भ में जैन-धर्म - **मुनि सुखलालजी**

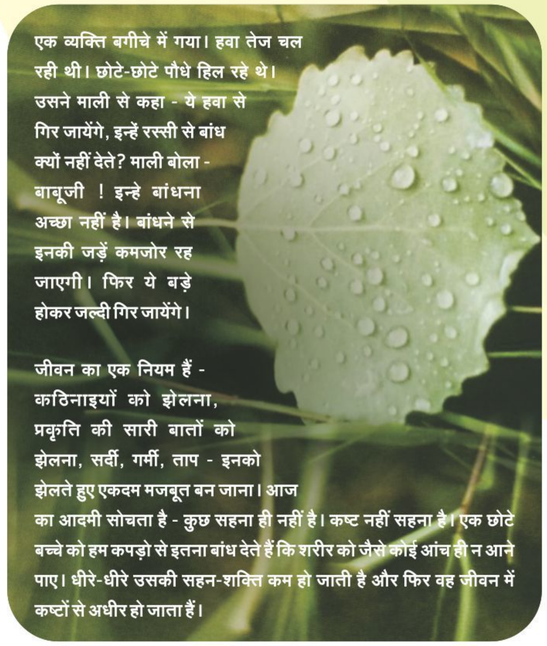

R. N. I. Registration No. MAHHIN/2000/4037
Postal Reg. No. MCS/037/2015-17
Posted at Mumbai Patrika Channel, Sorting Office, Mumbai - 400 001
Date of Publication - 10th of Every Month
Posting Date - 14th & 15th of Every Month
"WPP licence No MR/TECH/WPP-123/SOUTH/2017"
"Licence to post without prepayment"

To,

Oswal Mitra Mandal - 59, Jolly Maker Chambers No.2, 225, Nariman Point, Mumbai - 400 021.Tel - 2202 2306.

Website :oswalmitramandal.org
Email :oswalmatrimony@gmail.com
Facebook:www.facebook.com/Oswal-Mitra-Mandal

स्वत्वधिकारी ओसवाल मित्र मंडल के लिए प्रकाशक, मुद्रक अजीत कुचेरिया द्वारा प्रिन्ट प्रोसेस, बी २३, रोयल इंडस्ट्रियल इस्टेट, नायगांव क्रोस रोड, वडाळा, मुंबई - ४०० ०३१. से मुद्रित एवं ओसवाल मित्र मंडल, ५९ जॉली मेकर चेम्बर्स नं.२, नरीमन पाईंट, मुंबई - ४०० ०२१ से प्रकाशित
सम्पादकीय पत्ता - ajit@kucheria.co.in
सम्पादिका - **मंजु लोढ़ा** • सह संपादक - **डॉ प्रकाश बोरा ; सरिता दुगड़**
प्रकाशक - **अजीत कुचेरिया** • डीजाइन : ड्रीम्सकेप - **हिरा जैन**

Late
Smt. Padma Pukhraj Mutha
Sports Award

The Mandal is glad to announce
'Late Smt Padma Pukhraj Mutha Sports Award'
for achievement in the field of Sports.
Members are requested to please send their entries.
The decision of the Mandal will be final.